

राजधानी में 125 इमारतों पर लगाई जाएं एंटी स्मॉग गन : एलजी सर्दियों में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर की चर्चा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : सर्दी में वायु प्रदूषण से बचाव के लिए उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने दिल्ली की 125 ऊंची इमारतों पर एंटी स्मॉग गन लगाने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश उन्होंने बुधवार को अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर चर्चा



वीके सक्सेना

के दौरान दिए। दरअसल, बैठक में एलजी को बताया गया कि एंटी स्मॉग गन लगाने के लिए 40 ऊंची इमारतों की पहचान की गई है। इस पर एलजी ने कहा कि कम से कम 125 इमारतों की पहचान की जाए। बैठक में एलजी ने चिंता व्यक्त की कि धूल और परिवहन उत्सर्जन अभी तक क्रमशः 26 और 41 प्रतिशत प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने सख्त प्रवर्तन संबंधित परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने और स्थिति की रियल टाइम

मॉनिटरिंग करने के साथ तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया। धूल प्रदूषण की रोकथाम के लिए एलजी ने नगर निगम को 15 अक्टूबर से अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान पांच सौ वर्ग मीटर से ज्यादा के निर्माण व ध्वस्तीकरण स्थलों का अनिवार्य पंजीकरण कराने पर जोर दिया जाएगा। अभी तक सिर्फ 26 प्रतिशत द्वारा ही पंजीकरण कराए जाने की बात कही जा रही है। एलजी ने नगर निगम और लोक

निर्माण विभाग से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि फुटपाथ और सड़क के बीच की सेंट्रल वर्ज पर हरियाली की जाए ताकि धूल को उड़ने से रोका जा सके। बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अध्यक्ष एमएम कुट्टी, पर्यावरण व वन विभाग, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, दिल्ली विकास प्राधिकरण, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, परिवहन, यातायात पुलिस, सीपीडब्ल्यूडी और एनडीएमसी के अधिकारी शामिल रहे।

पटाखों पर पाबंदी के लिए पुलिस के साथ बनेगी योजना : पटाखों पर पाबंदी लगाने के लिए पर्यावरण विभाग दिल्ली पुलिस के साथ योजना तैयार करेगा। आनलाइन पटाखों की बिक्री और डिलीवरी पर रोक लगाने का प्रयास किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि पिछले साल आनलाइन पटाखों की खरीद की गई थी। लेकिन, इस बार इस पर भी पूरी तरह से रोकथाम का प्रयास किया जाएगा। पुलिस के साथ मिलकर कार्ययोजना बनाई जाएगी।

हिन्दुस्तान

प्रदूषण रोकथाम बैठक में अधिकारियों को निर्देश ऊंची इमारतों पर लगाएं एंटी स्मॉग गन : एलजी

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने राजधानी की 125 ऊंची इमारतों पर एंटी स्मॉग गन लगाने का निर्देश दिया है, ताकि सर्दी में होने वाले प्रदूषण से बचाव हो सके। एलजी ने बुधवार को अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर चर्चा की गई। एलजी को बताया गया कि एंटी स्मॉग गन लगाने के लिए 30 ऊंची इमारतों की पहचान की गई है। एलजी ने कहा कि कम से कम 125 इमारतों की पहचान की जानी चाहिए।



दिल्ली के तापमान में दो डिग्री इजाफा संभव

दिल्ली में दिन भर तेज धूप के चलते अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान दो डिग्री तक बढ़ सकता है। इस बीच बुधवार को भी न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रिकॉर्ड किया गया। सफदरजंग मौसम केन्द्र में अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

धूल प्रदूषण की रोकथाम के लिए एलजी ने निगम को 15 अक्टूबर से अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। इस दौरान पांच सौ वर्ग मीटर से ज्यादा के निर्माण व ध्वस्तीकरण स्थलों का अनिवार्य पंजीकरण कराने पर जोर दिया जाएगा। अभी तक सिर्फ 26 फीसदी द्वारा ही पंजीकरण कराए जाने की बात कही जा रही है। एलजी ने नगर निगम और लोक निर्माण से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि फुटपाथ और सड़क के बीच की सेंट्रल वर्ज पर हरियाली की जाए और सड़कों पर गड्ढे नहीं हों, ताकि धूल को उड़ने से रोका जा सके।

मिलकर योजना तैयार करेगी। खासतौर पर ऑनलाइन पटाखों की बिक्री और डिलीवरी पर रोक लगाने का प्रयास किया जाएगा।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि पिछले साल ऑनलाइन पटाखों की खरीद की गई थी। लेकिन, इस बार इस पर भी पूरी तरह से रोकथाम का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए पुलिस के साथ मिलकर कार्ययोजना बनाई जाएगी। हालांकि, पटाखों पर रोक के लिए दिल्ली के लोगों से भी अपील की। कहा कि साफ-सुथरी हवा के लिए पटाखों की बजाय दिए जलाकर दीपावली मनाई जानी चाहिए।

बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के प्रमुख एमएम कुट्टी, पर्यावरण व वन, डीपीसीडी, डीडीए, निगम, पीडब्ल्यूडी, परिवहन, यातायात पुलिस, सीपीडब्ल्यूडी, एनडीएमसी और डीसीबी के अधिकारी शामिल रहे।

पटाखों पर पाबंदी के लिए पुलिस के साथ बनेगी योजना : पटाखों पर पाबंदी लगाने के लिए पर्यावरण विभाग दिल्ली पुलिस के साथ

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
THURSDAY, SEPTEMBER 29, 2022

NAME OF NEWSPAPERS _____

DATED _____

Repair All Arterial Roads By Oct 15 To Curb Pollution: LG

'Identify 125 Highrise Buildings To Install Water Sprinklers'

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Expressing concern that vehicular emission and dust were the biggest contributors to air pollution in the national capital, lieutenant governor VK Saxena on Wednesday asked road-owning agencies to repair all arterial roads before October 15 and identify at least 125 highrise buildings to install water sprinklers.

Chairing a meeting to ensure an effective inter-departmental coordination ahead of the implementation of Graded Response Action Plan to manage air pollution, the LG called for urgent steps to be taken to mitigate recurrent problems by resorting to strict enforcement, time-bound completion of related projects and real-time monitoring of the situation.

The meeting was attended by Commission for Air Quality Management chairperson MM Kutty and heads of various stakeholder departments, including environment and forest, Delhi Pollution Control Committee (DPCC), Delhi Development Authority, Municipal Corporation of Delhi (MCD), PWD, transport, traffic police, Central Public Works Department and New Delhi Municipal Council.

Vehicular emission and dust account for 41% and 26% of air pollution, respectively. "All construction sites of 500 square metres and above have to register on DPCC's dust assessment portal and ensure mitigation measures through a self-audit, but only 28% actually comply with the requirements. The LG has directed MCD to deploy special inspection teams to ensure strict enforcement and compliance of the self-audit. MCD has also been directed to run a public awareness campaign giving details of the parameters of self-



File photo

AN OFFICIAL SAYS

LG has directed MCD to deploy special inspection teams to ensure strict enforcement and compliance of the self-audit. MCD has also been directed to run a public awareness campaign giving details of the parameters of self-audit

audit and requirements of registration latest by October 15," said an official.

The LG has directed all road-owning agencies to ensure 100% paving and greening of footpaths and central verges, apart from repair of potholes and general maintenance of roads.

"Officials have been asked to enhance and augment works under the ongoing one road per zone every week programme and complete repair work by October 15. The agencies will also have to

provide a list of all roads to DPCC for physical verification and submit a report within a week," said the official.

While PWD, MCD, NDMC and DDA have planned to install anti-smog guns atop 30 highrises, the LG has asked them to increase the number to 125 by the end of October. "The LG has also directed for identification of all private and public sites so that CAQM can issue a mandatory order for installation of the modified anti-smog equipment," the official said.

Meanwhile, the city saw a slight rise in the maximum temperature on Wednesday with the weather department expecting a further increase in daytime temperature. According to India Meteorological Department, while there could be partly cloudy skies with a slight rise in maximum temperature, there were chances of rain within a week.

On Wednesday, the maximum temperature at Safdarjung was 34.2 degrees Celsius, the season's average, against 33.6 degrees Celsius a day earlier. The minimum temperature was recorded at 23.6 degrees Celsius, a notch above normal, against 22.4 degrees Celsius on Tuesday. The humidity oscillated between 54% and 89%. The maximum and minimum temperatures are expected to hover around 35 and 24 degrees Celsius, respectively, on Thursday.

The air quality worsened in the "moderate" category, but Anand Vihar slipped to the "severe" level again. The air quality index (AQI) was 140 on Wednesday against 108 a day earlier. The AQI at Anand Vihar around 8pm was 441. "The air quality is likely to reach the upper end of the moderate category on October 1," the bulletin by IITM's decision support system stated.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost

THURSDAY, 29 SEPTEMBER, 2022 | NEW DELHI

DATED

सहारा

Rapid response team set up to keep spread of dengue in check

SATVIKA MAHAJAN



ment for prevention of mosquito breeding and have issued 91,462 legal notices and issued 33,226 prosecution/challans for mosquito breeding. MCD has also collected Rs 30,68,000 from 12,659 house/building owners as administrative charges for destroying mosquito breeding sites. Additionally, special awareness campaigns during the ongoing festival season are being conducted by the civic body.

MCD has also fogged Ramlila grounds and Durga puja pandals. They have conducted fogging at approximately 12,000 premises. MCD has issued phone numbers for registering mosquito breeding related issues on zonal level helpline numbers.

understanding amongst various stakeholders 26 meetings have been held at zonal level. DBC employees of the public health department of MCD have conducted 2.5 crore times house visits to check mosquito breeding.

They have conducted special campaigns for anti-mosquito drive at vulnerable areas like drains and water bodies, construction sites etc. MCD is also taking legal enforce-

NEW DELHI: The Municipal Corporation of Delhi has claimed that it is taking anti-dengue measures from the beginning of the year. MCD Commissioner Gyanesh Bharti has written letters to various stakeholders like CPWD, PWD, DDA, universities, Delhi Police, DJB, State and Central government offices asking them to adopt various means to check mosquito breeding in their premises.

The MCD said a "rapid response team" has been formed and inter-sectoral meetings are being held with various stakeholders to keep the spread of dengue in check.

In order to create better

मच्छरों का प्रसार रोकने को घर-घर जांच

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली नगर निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने मच्छरों की रोकथाम के लिए सीपीडब्ल्यूडी, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, डीडीए, दिल्ली पुलिस, व्यापार संगठनों, केन्द्र सरकार एवं दिल्ली सरकार के कार्यालयों, विश्वविद्यालयों आदि को पत्र लिखकर मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने का आग्रह किया।

निगमायुक्त ज्ञानेश भारती ने बताया कि निगम के जन स्वास्थ्य विभाग के डीबीसी कर्मचारियों ने मच्छरों की जांच के लिए घर-घर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान मच्छरों का प्रजनन पाए जाने पर 91462 कानूनी नोटिस जारी तथा 33226 चालान/अभियोजन दायर किए गए।

निगम ने मच्छरों के प्रजनन संबंधी शिकायतों को दर्ज कराने के लिए निम्न हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।



मध्य क्षेत्र : 9560889714, 011-20886404, दक्षिणी क्षेत्र : 7827505635, 011-26513077, पश्चिमी क्षेत्र : 8375094397, 011-25103415, नजफगढ़ क्षेत्र : 7290083006, 011-28014535, के शवपुरम क्षेत्र : 8851175780, रोहिणी क्षेत्र : 9811287479, करोल बाग क्षेत्र : 9910745170, नरेला क्षेत्र : 9999836002, सिविल लाइंस क्षेत्र : 9899449371, सिटी सदर पहाड़गंज क्षेत्र : 9868487653, शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र : 8826020350, शाहदरा उत्तरी क्षेत्र : 9990135603, 011-22820739।

मच्छरों का लार्वा पाए जाने पर 91462 नोटिस जारी

दैनिक भास्कर

दिल्ली नगर निगम

डेंगू की रोकथाम के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन किया

नई दिल्ली | दिल्ली नगर निगम वर्ष के आरंभ से ही डेंगू रोधी अभियान का संचालन कर रहा है। डेंगू चिकित्सक और मलेरिया जैसे मच्छरजनित बीमारियों की कोई भी दवा उपलब्ध न होने के कारण मच्छरों के प्रजनन को रोकना ही इससे बचने का सबसे कारगर उपाय है। इसी दिशा में कार्य करते हुए दिल्ली नगर निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने मच्छरों की रोकथाम के लिए दिल्ली के सभी हितधारकों जैसे सीपीडब्ल्यूडी, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, डीडीए, दिल्ली पुलिस, व्यापार संगठनों, केन्द्र सरकार एवं दिल्ली सरकार के कार्यालयों, विश्वविद्यालयों इत्यादि को पत्र लिखकर मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने का आग्रह किया है। सभी हितधारकों के बीच आपसी तालमेल एवं सामंजस्य के साथ कार्य करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर 26 बैठकों का आयोजन किया जा चुका है। निगम के जन स्वास्थ्य विभाग के डीबीसी कर्मचारियों ने मच्छरों की जांच के लिए लगभग 2.5 करोड़ बार घर-घर जाकर निरीक्षण किया।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost

NAME OF NEWSP/.. THURSDAY, 29 SEPTEMBER, 2022 | NEW DELHI D-----

THE WATER LEVEL TO RECEDE FURTHER OVER THE NEXT 2 TO 3 DAYS

Yamuna water level starts dropping but still above danger mark: Officials

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: The water level in Yamuna river in Delhi started receding after breaching the evacuation mark of 206 metres, with Haryana reducing the flow from the Hathnikund Barrage in Yamunanagar, officials said on Wednesday.

Authorities said they expect the Yamuna water level to recede further over the next two to three days as there has been no significant rainfall in the upper catchment areas of the river or in Delhi.

A swollen Yamuna flooded low-lying areas along the riverbanks in Delhi on Tuesday, prompting authorities to evacuate around 6,500 people and suspend rail traffic movement on the Old Yamuna Bridge.

The water level in the river shot up to 206.59 metres by 7 am, much above the danger



mark of 205.33 metres and the highest since August 2019. But it dropped to 206.58 metres by 8 am and further to 206.41 metres by 3 pm.

The water level is predicted to drop to 206.05 metres by 9 pm, a forecast issued by the Central Water Commission said.

A senior government official said they have deployed a large number of civil defence workers

in the affected low-lying areas to prevent people from moving back into their houses till the water recedes to the normal level.

The low-lying areas near the river in Delhi are considered vulnerable to flooding and are home to around 37,000 people.

"Most of the people shifted to safer places themselves. The Delhi administration had to

evacuate around 6,500 and move them to community centres, schools and temporary tents," East Delhi District Magistrate Anil Banka said.

"We expect the water to recede to normal levels in two to three days. Thereafter, these people can go back to their places," he said.

Though the land along the Yamuna belongs to the Delhi Development Authority, Revenue Department and private individuals, encroachments have come up on a large part of river floodplains over the years.

The river breached the danger mark of 205.33 metres in Delhi on Monday night and the evacuation mark of 206 metres early Tuesday morning following an unusually late spell of heavy rain in the upper catchment areas between September 21 and September 25.

Normally, flooding in the

Yamuna is reported in July or August which receive maximum rainfall during the monsoon season.

This is the second time within two months that the authorities are evacuating the people living in the river floodplains due to flooding.

The Yamuna had breached the danger mark of 205.33 metres on August 12, following which around 7,000 people were evacuated from the low-lying areas near the riverbanks.

The water level had shot up to 205.99 metres on August 13 before the river started receding.

The authorities reported a discharge rate of around 25,400 cusecs at 9 am on Wednesday from the Hathnikund barrage in Haryana. The discharge rate was 2,95,212 cusecs at 6 am on Monday, which is the highest so far this year. One cusec is equivalent to 28.32 litres per second.

Install modified anti-smog guns atop 125 high-rise buildings to control dust pollution: L-G to officials

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Delhi Lieutenant Governor V K Saxena directed officials on Wednesday to install modified anti-smog guns atop 125 buildings across the city to control dust pollution.

At a meeting with officials from the central and state departments concerned, Saxena called for a strict enforcement of measures, time-bound completion of related projects and real-time monitoring of the situation to mitigate the recurrent

air pollution problem. The LG directed the officials to ensure that modified anti-smog guns are installed atop 125 high-rise buildings by October-end to control dust pollution.

Ahead of the quarter that witnesses the air quality plummeting to the lowest in Delhi-NCR, the meeting was significant in terms of implementation of the Commission for Air Quality Management's (CAQM) policy and the related, revised Graded Response Action Plan (GRAP), 2022 that

will come into effect from October 1. Saxena asked the officials to identify all such private and public sites in the city following which the CAQM will issue an order for mandatory installation of anti-smog guns.

He also directed the municipal corporation department to deploy special teams to ensure that all construction and demolition sites larger than 500 square metre register on the self-assessment portal of the Delhi Pollution Control Committee (DPCC) and conduct a

self-audit of the steps taken to curb dust pollution.

Officials informed the LG that only 28 per cent of the registered construction and demolition sites have complied with the requirement of self-audit.

Saxena asked for a public awareness campaign detailing the parameters of the self-audit and requirements of registration to be launched by the MCD, with a deadline of October 15 for such compliance.

He also asked the agencies concerned to immediately start

repairing, covering and carpeting roads, pavements, footpaths and central verges.

Dust from roads and construction and demolition activities account for 26 per cent of the PM2.5 pollution in Delhi.

Those present at the meeting included CAQM chairperson MM Kutty and the heads of departments and agencies such as environment and forest, the DPCC, the DDA, the MCD, the PWD, transport, traffic police, the CPWD, the NDMC and the DCB.